PRAJAPITA BRAHMA KUMARIS ISHWARIYA VISHWA VIDYALAYA
Founded in 1937 by World Almighty Authority Incorporeal Supreme Father God Shiva through the Medium of Prajapita Brahma.

Supreme Father God Shiva

Local Centre :
Brahma Kumaris, Vishwa Shanti Bhawan
Rajpura Chauraha
Bhadohi - 221401 (U.P.)
Tel : 05414-224947, Mob : 9452925281
Email : bhadohi@bkivv.org

Headquarters :
Brahma Kumaris, Pandav Bhawan
Dadi Prakashmani Marg
Mount Abu - 307501 (Raj.)
Tel : 02974-238261 to 64
Website : www.brahmakumaris.com

प्रेस विज्ञप्ति

Date - 27/02/18

शिविर का चौथा दिन

परिवर्तन की लहर में डूबा कारपेट सिटी
कारपेट सिटी में बह रही है ज्ञान और आत्मविश्वास की गंगा
दृढ़ संकल्प से नष्ट हो जाते हैं विघ्न – पूनम बहन
मुख्य आकर्षण: शिविर में करायी जाएगी ब्रह्माण्ड की सैर

भदोही। सनबीम स्कूल में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के सौजन्य से चल रहे 12 दिवसीय अलविदा तनाव शिविर के चौथे दिन देश की प्रख्यात तनावमुक्ति विशेषज्ञा ब्रह्माकुमारी पूनम बहन ने मनोबल कैसे बढ़ाया जाए विषय पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि अगर उल्लंघन के लिए रेखाएं नहीं होती, जीतने के लिए बाधाएं नहीं होती, प्यार करने के लिए सीमाएं न होती, तो मानव जीवन में पुरस्कार की तरह आने वाले आनंद के अनुभव में कमी अवश्य आ जाती। संसार में जितने भी महापुरुष हुए हैं, उन्होंने स्वयं के बल पर ही प्रगति की। आत्मबल एवं आत्मविश्वास के सहारे ही उन्होंने उपलब्धियों के कीर्तिमान स्थापित किए। मंजिल स्वयं के कदमों से चलकर ही प्राप्त की जाती है। कोई दूसरा व्यक्ति आपकी यात्रा पूरी नहीं करेगा। इसलिए गीता का आह्वान है कि हे मनुष्य अपना उत्थान आप स्वयं करो। मानव जीवन का यही दिव्य मंत्र है।

प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने से मिलती है सफलता

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए पूनम बहन ने कहा कि दृढ़ता ही सफलता की चाबी है। दृढ़ संकल्प की शक्ति की आगे जीवन के सारे विघ्न धराशयी हो जाते हैं। मनुष्य के भीतर ही उसका भाग्य छिपा रहता है। दृढ़ संकल्प वाले उस छिपे हुए भाग्य को बाहर ले आते हैं। कहते हैं कि इरादे बुलंद हो तो पैरो तले होता है हिमालय। हौसला हो तो तूफान भी घुटने टेक देते हैं। जीत के लिए जोखिम उठाना पड़ता है। जिन्होने जोखिम उठाया है वे व्यक्ति सिकन्दर, नेपोलियन, और गांधी बनकर इतिहास के पन्नों को रोशन कर गए। आप जितने भी महान लोगों की जीवनियों का विश्लेषण करेंगे तो पता लगेगा कि उनके जीवन में अनुकूल परिस्थितियों की जगह प्रतिकूल परिस्थितियां ज्यादा रही। इन लोगों ने हमेशा प्रतिकूलता में अनुकूलता को ढूंढ़ निकाला। अब्राहम लिंकन ने हमेशा असफलताओं का सामना करा, पर अंत वे अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए। प्रसिद्ध दर्शनिक सुकरात का जीवन घोर पारिवारिक तकलीफों में बीता परन्तु उन्होंने जीवन से कभी हार नहीं मानी और विश्व

The Brahma Kumaris is a Non-Government Organisation (NGO) affiliated to the Department of Public Information (DPI) of the United Nation. It has General Consultative Status with the UN Economic & Social Council (ECOSOC) & UNICEF.

को एक नया दर्शन दिया। महात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में रहकर अनेक विपत्तियों का सामना किया और विपत्तियां आगे जाकर उनकी ताकत बन गई।

सफलता की जननी है असफलता

साधारण व्यक्तियों के लिए असफलता जहां दु:खदायी हो जाती है, वहीं असाधारनण लोग असफलता से हताश होने के बजाए उसे चुनौति के रूप में स्वीकार करते हैं। ऐसे लोग अपनी असफलताओं से प्रेरणा लेते हैं और उसमें भी नई राहें खोज लेते हैं। हमारी असफलताएं चिरकालीन नहीं है और उनमें कहीं न कहीं हमारी बेहतरी और सफलता के बीज छिपे होते हैं।

तनाव को जन्म देती है दूसरों को बदलने की इच्छा

पूनम बहन ने आत्मविश्वास का महत्व बताते हुए कहा कि जब संसार में सभी साथ छोड़ दे, हार और पीड़ाएं घायल कर दे, पैरों के नीचे से सभी आधार खिसक जाएं, जीवन के अंधकारयुक्त पथ पर व्यक्ति अकेला पड़ जाए, तब भी वह जीवित रह सकता है। यदि उसका आत्मविश्वास प्रबल है तो तनाव का सबसे बड़ा कारण कि आज हर व्यक्ति दूसरे को बदलना चाहता है। हम चाहते हैं कि दूसरे सब बदल जाएं पर मैं न बदलूं। हमारे स्वभाव-संस्कार, भावनाएं, नकारात्मक दृष्टिकोण ही हमारे मार्ग में बाधाएं बनकर खड़े रहते हैं। जरूरत है इन्हें परिवर्तन करने की। हम जानते भी हैं और मानते भी हैं कि अगर हमारे जीवन से इन बातों का परिवर्तन हो जाता है तो हमारा जीवन भी सुंदर एवं सरल बन जाता है। हम सबके प्रति शुभ-भावना रखें, प्रतिकूलता में भी अनुकूलता देखें, दु:ख में भी सुख खोजें, जीवन के भरे हिस्से को देखें एवं सबका कल्याण हो यह भावना रखें। यह सब परिवर्तन लाने के लिए बहुत सुंदर मेडिटेशन के अभ्यास के द्वारा साधकों को दृढ़ प्रतिज्ञा करावाई कि - कोई बदलें या न बदले आज से हम अपनी भावनाएं, विचार, स्वभाव, संस्कार, दृष्टिकोण सभी में सकारात्मक परिवर्तन लाएंगे।

और . . गूंज उठा परिवर्तन का शंखनाद

सभी साधकों ने आज शिविर स्थल पर ही अग्नि को साक्ष्य मानकर इस प्रतिज्ञा को अपने अंत:करण में समा लिया। जैसे-जैसे प्रतिज्ञा दोहराई जा रही थी सम्पूर्ण पांडल को परिवर्तन की लहर ने अपनी बाहों में समा लिया। इसके साथ ही युवा साथियों ने परिवर्तन की मशाल को लेकर सारे पाण्डल का चक्र लगाया। मानों वह अपनी प्रतिज्ञा को बार-बार पक्का कर रहे हों एवं इसके पश्चात गूंज उठा परिवर्तन का शंखनाद। चारों तरफ से घण्टे, घड़ियाल की आवाज भी मानों कह रही थी - परिवर्तन.. परिवर्तन.. परिवर्तन...। इस तरह उमंग व जोश के साथ मनाया गया परिवर्तन महोत्सव। साधकों के चेहरे स्पष्ट बता रहे थे कि अब तक जो नहीं कर पाएं आज हमने परिवर्तन कर लिया। वे धन्य-धन्य हो गए।

शिविर में उमड़ा जनसैलाब

शिविर के चौथे दिन यह आलम था कि जन सैलाव निरंतर बढ़ता ही जा रहा था। साधकगण शिविर के दस मिनट पूर्व ही अपना स्थान ग्रहण कर लेते हैं। शिविर में कल का विषय है - कर्मक्षेत्र पर कर्म करते हुए तनावमुक्त कैसे रहें। शिविर में कल करायी जाएगी ब्रह्माण्ड की सैर।

शिविर का समय	:	प्रात: 7 बजे से 8:30 तक।
शिविर स्थल	:	सनबीम स्कूल, रजपुरा-औराई रोड।
आयोजक	:	प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय।